दूध कारोबारी वृद्ध पर जानलेवा हमले का खुलासा

उदयपुर,(कासं)। जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र के वणी में 2 अप्रैल रात 8.30 बजे हुए जानलेवा हमले के मामले में गोगुंदा पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश कर दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर गिर्वा डीवाईएसपी गोपाल चंदेल के नेतृत्व में थानाधिकारी श्याम सिंह चारण की टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। थानाधिकारी श्याम सिंह चारण ने बताया कि सेमटाल निवासी शंकरलाल पालीवाल पर हुआ हमला आपसी रंजिश का परिणाम है। दूध के व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा के चलते वणी निवासी लक्ष्मण सिंह पिता नाहर सिंह निवासी वणी ने अपने प्रतिद्वंद्वी को रास्ते से हटाने के लिए एक लाख रुपए की सुपारी दी थी।यह सुपारी मनोहर सिंह पिता गणेश सिंह निवासी वणी (हाल निवासी मुंबई) को दी गई,जिसने करीब एक माह पूर्व जेल से छूटे दो शातिर बदमाशों को वारदात के लिए तैयार किया। 2 अप्रैल को शाम करीब 8.30 बजे सेमटाल निवासी शंकरलाल पालीवाल(65) वणी गांव से दूध ले कर बाइक से गोंगुदा लौट रहे थे।वणी कट स्थित आशापुरा होटल के पास सुनसान रास्ते पर तीन बाइक सवार युवक आए। तीनों नकाबपोश थे। जिन्होंने शंकरलाल पर चाकू से ताबड़तोड़ पांच वार किए। एक चाकू उनके पीङ्क में धंसा रह गया। आरोपी उन्हें मृत समझकर फरार हो गए थे। बाद में राहगीरों की मदद से शंकरलाल को हॉस्पिटल पहुंचाया गया मामले की जांच के दौरान पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले,जिसमें एक बाइक पर सवार तीन संदिग्ध करीब 3 घंटे तक क्षेत्र में रेकी करते नजर आए। इसके आधार पर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और हुलिए के आधार पर मुख्य आरोपी लक्ष्मण सिंह निवासी वणी तथा हमलावर टीकम उर्फ टिक्सा पुत्र मोहनलाल गमेती निवासी रामा को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। मामले में मनोहर सिंह,मनीष पुत्र कालू गमेती निवासी रामा थाना सुखेर तथा विरेंद्र सिंह उर्फ विजू निवासी खंडावली उषाण थाना खमनोर फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है और जल्द गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है।

- दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं।

पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर मिनी सचिवालय में घुसे लोग

अलवर। अलवर में अग्रसेन पुलिया के पास गोवंश के अवशेष मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और सर्व हिंदू समाज की ओर से मौन जुलूस निकाला गया।

प्रदर्शनकारी प्रताप ऑडिटोरियम से सचिवालय गेट पर पहुंचे। उसके बाद वहां पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर आगे निकल गए। पुलिसकर्मी देखते रह गए। इस दौरान पुलिस ने बार-बार भीड़ को रोका लेकिन तीन थानों की पुलिस और जाप्ते को धक्का देकर लोग कलेक्ट्रेट के गेट पर बैठ गए।

मौके पर कोतवाली, अरावली विहार सहित तीन थानों की पुलिस थी। लेकिन प्रदर्शनकारियों को मिनी सचिवालय के मुख्य गेट पर नहीं रोक सकी। कुछ देर बाद एसपी सुधीर चौधरी भी मिनी सचिवालय पहुंच गए। विहिप के प्रांत सह-प्रमुख प्रेम राजावत ने मिनी सचिवालय में कहा कि पुलिस प्रशासन तस्करों से मंथली लेता है। इसलिए उनको बचाने का प्रयास हो रहा। लेकिन हम आगे अलवर बंद कराएंगे। पीछे हटने वाले नहीं हैं। इसके बाद एडीएम योगेश डागुर को ज्ञापन दिया गया। विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने प्रशासन को मुख्य गेट पर बुलाने का आग्रह किया। लेकिन तहसीलदार के आने के बाद विहिप के कार्यकर्ता भड़क गए। उन्होंने तहसीलदार को वापस भेज दिया। उसके बाद धक्कामुक्की कर अंदर आ गए। विहिप का कहना है कि वह प्रशासन की जांच और कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है, जबकि पुलिस इस मामले में दो बार खुलासा कर चुकी है। मंगलवार देर रात जारी प्रेस नोट में एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जांच में सामने आया कि अवशेष वहां पहले से मौजूद नहीं थे, बल्कि कुत्तों द्वारा खींचकर लाए गए थे। हालांकि वे कहां से लाए गए, इसकी जांच अभी जारी है। इसके अलावा एफएसएल और मेडिकल रिपोर्ट में भी स्पष्ट हुआ है कि गौवंश के अवशेष किसी धारदार हथियार या नुकीली वस्तु से नहीं काटे गए हैं। इससे यह संकेत मिला कि मांस के टुकड़े कुत्तों द्वारा ही लाए गए थे।

वहीं विहिप के प्रांत सह-प्रमुख प्रेम सिंह राजावत ने कहा कि संगठन पुलिस की जांच से संतुष्ट नहीं है ।

अलवर में अग्रसेन पुलिया के पास गोवंश के अवशेष मिलने के मामले ने तूल पकड़ा ।

- विहिप का कहना है कि वह प्रशासन की जांच और कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है

राशन बांटने में 7 लाख रुपये का घपले का आरोप

जोधपुर, (कासं)। राशन प्रणाली में आमजन को उनके हिस्सें का गेहूं समय पर नहीं मिल पा रहा है। राशन की दुकानें चलाने वाले कुछ दुकानदार घोटालें कर रहे है। कुछ दिनों पहले लूणी तहसील के कुछ दुकानदारों पर गेंहू गबन का आरोप लगा था। अब उत्तर नगर निगम में वार्ड नंबर 60 के एक राशन विक्रेता की कारगुजारी पोष मशीन में पता लगी है। पोष मशीन से सात लाख का घोटाला उजागर हुआ है। इस बारे में डीएसओ के प्रवर्तन निरीक्षक राजकरण बारहठ की तरफ से महामंदिर थाने में रिपोर्ट दी गई है। गांधीपुरा स्थित एक राशन की दुकान के संचालक के खिलाफ गेहूं वितरण में धांधली करने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत महामंदिर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। घटना को लेकर जिला रसद कार्यालय जोधपुर के प्रवर्तन निरीक्षक राजकरण बारहठ ने जिला रसद अधिकारी के अभियोजन आदेश पर गांधीपुरा वार्ड 60 उत्तर स्थित उपभोक्ता सहकारी भंडार के संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

रिपोर्ट के अनुसार 2022 में गांधीपुरा क्षेत्र के राशन कार्डधारकों को चार महीने से गेहूं नहीं मिलने की शिकायत सामने आई थी। इस पर तत्कालीन प्रवर्तन अधिकारी नीलकमल माथुर ने मामले की जांच की। इस जांच रिपोर्ट में गेहूं बांटने में गंभीर लापरवाही और अनियमितताएं उजागर हुई थीं। लाइसेंस सस्पेंड करने के बाद हुई रद्द की कार्रवाई की गई थी। प्रवर्तन अधिकारी की रिपोर्ट में उपभोक्ता सहकारी भंडार (पोस कोड 20019) के खिलाफ राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ (वितरण का नियमन) के नियमों का उल्लंघन पाया गया। इस पर जिला रसद अधिकारी कार्यालय ने विभागीय प्रकरण दर्ज कर 29 मार्च 2022 को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसी दिन एक आदेश जारी करते हुए उचित मूल्य दुकानदार का लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया गया था। 6.95 लाख की वसूली नहीं भरने पर कानूनी शिकंजा विभागीय जांच के बाद 12 जून 2025 को मामले में अंतिम निर्णय लिया गया, जिसमें उस दुकान का लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिया गया। विभागीय आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया।

- प्रवर्तन निरीक्षक ने म थाने में रिपोर्ट दी

अवैध हथियार बनाने वाला 70 साल का आरोपी पकड़ा

अलवर। मालाखेड़ा थाना पुलिस ने अवैध हथियार बनाने और रिपेयरिंग करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2 टोपीदार बंदूक, 1 देशी कट्टा 315 बोर, 14 जिंदा कारतूस और 2 खाली कारतूस सहित हथियार बनाने का भारी मात्रा में सामान बरामद किया है।

पुलिस एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि जिले में अवैध हथियारों के इस्तेमाल को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका रघुवंशी के सुपरविजन में और मालाखेड़ा थाना अधिकारी हरदयाल सिंह के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की 14 अप्रैल 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि महाराजपुरा निवासी रूस्तम पुत्र टुण्डल मेव अवैध रूप से हथियार बनाने और उनकी मरम्मत करने का काम करता है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी के घर की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान पुलिस को 2 टोपीदार बंदूक, 1 देशी कट्टा 315 बोर, 14 जिंदा कारतूस, 2 खाली कारतूस के साथ-साथ हथियार बनाने के उपकरण भी मिले। इनमें बंदूक की नाल, स्प्रिंग, ट्रिगर, छर्रे, ड्रिल मशीन, ग्राइंडर, हथौड़ी, आरी, छेनी सहित भट्टी और अन्य उपकरण शामिल हैं।

चलती कार बनी आग का गोला

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर जाजीवाल कला के पास चलती कार में अचानक आग लग गई। कार के बोनट से धुआं निकलता देख ड्राइवर और उनके रिश्तेदार ने सूझबूझ दिखाई। गाड़ी रोककर तुरंत बाहर निकल गए। कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई। बनाड़ थानाधिकारी लेखराज सिहाग के अनुसार खेड़ी निवासी राजू जाखड़ अपनी महिंद्रा डीजल कार से भोपालगढ़ हाईवे पर जा रहे थे। रेलवे फाटक से करीब आधा किलोमीटर दूर जाजीवाल कला के पास अचानक कार के बोनट से धुआं उठने लगा। इस पर चालक ने तुरंत कार को सड़क किनारे खड़ा किया और अपने साथी के साथ नीचे उतर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उनके उतरते ही कार धूं-धूं कर जलने लगी। पुलिस को दोपहर करीब डेढ़ बजे कार में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही बनाड़ थाने की चेतक टीम मौके पर पहुंची। इसके कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां भी घटनास्थल पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। हालांकि, आग इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा और भीतरी केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में आग का कारण शॉर्ट सर्किट होना सामने आया है। कार महिंद्रा कंपनी की डीजल वेरिएंट थी।

- कार का अगला हिस्सा और भीतरी केबिन पूरी तरह जलकर खाक
- पुलिस को सूचना मिलते ही बनाड़ थाने की चेतक टीम मौके पर पहुंची। इसके कुछ देर बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ले आग पर काबू पाया

सड़क हादसे में एक की मौत

पावटा। क्षेत्र में बावड़ी रिलायंस पेट्रोल पंप के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां पिकअप वाहन और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक सवार दो युवक विकास कुमार जांगिड व महेंद्र कुमार दोनों मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे झीडा वाले बालाजी के दर्शनों के लिए जा रहे थे। तभी बावड़ी रिलायंस पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप से उनकी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और एक युवक विकास कुमार जांगिड उम्र 36 साल निवासी श्याम कॉलोनी पावटा ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया व महेंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे उपचार के लिए जयपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे उपचार के लिए जयपुर रेफर कर दिया।

ऑटो में सवार वृद्धा के जेवर चोरी

उदयपुर,। ऑटों में सवार वृद्धा के हाथ से चोर सोने की चूड़ी निकाल ले गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू विद्यानगर हिरणमगरी सेक्टर 4 निवासी कपील पुत्र सुरेश चन्द्र सनाढच ने सूरजपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि मेरी मां शांतिदेवी (75) 13 अप्रेल को ऑटों में बेठ कर सेक्टर 4 से ऑटों में बैठ कर बाजर जाने के लिए निकली तथा टाउन हाल के समीप उतरी।

इस दौरान अज्ञात चोर मेरी मां के दाहिने हाथ से एक सोने की चूडि निकाल चुरा ले गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

तेरह साल बाद अहमदाबाद से पकड़ा दुष्कर्म का आरोपी

उदयपुर, (का.स.)। उदयपुर की फलासिया थाना पुलिस ने नाबालिग से रेप के मामले में 13 साल से फरार चल रहे आरोपी को गुजरात के अहमदाबाद से गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने भेष बदलकर तीन दिन तक गुजरात के नवापुरा, मेहसाणा, ऊंझा, सिद्धपुर में जाकर आरोपी का पता लगाया।पुलिस टीम कभी बिजली मीटर रीडर बनकर,कभी गैस और दूध सप्लायर तो कभी पटवारी बनकर गांव.गांव पहुंची थी। इसके बाद अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया।

थानाधिकारी सीताराम ने बताया कि साल 2013 से पॉक्सो एक्ट मामले में फरार वारंटी रमेश भाई उर्फ झालावाड़ी रेबाड़ी पुत्र महादेव भाई निवासी उनावा, मेहसाना को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया है।नाबालिग उदयपुर की रहने वाली है जबकि आरोपी गुजरात के मेहसाना का है। दलाल नाबालिग को काम दिलाने के बहाने गुजरात लेकर गया था और उसे आरोपी रमेश को बेच दिया था।

इसके बाद जैसे.तैसे नाबालिग उसके चंगुल से छूटकर अपने गांव आ गई थी और परिवार को आपबीती बताई।पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

एसपी अमृता दुहन के निर्देशन में आरोपी को पकड़ने वाली टीम में एएसआई कालूलाल,हेड कॉन्स्टेबल मुकेश कुमार,कॉन्स्टेबल बंशीलाल और विक्रम की मुख्य भूमिका रही।

- नाबालिग को दलाल से खरीदा था, मीटर रीडर तो कभी दूध.गैस सप्लायर बनकर आरोपी को तलाशा पुलिस ने

कारागार में मोबाइल व दो सिम मिली

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल मिला है। वार्ड संख्या 11 में बाथरूम के पीछे कचरें के ढेर में एक मोबाइल और दो सिमकार्ड मिले है। जेल प्रशासन की तरफ से अज्ञात बंदी के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है । रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि केंद्रीय कारागार उपाधीक्षक की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि मंगलवार को जेल में मंगलवार को सर्च किया जा रहा था। तब वार्ड नंबर 11 स्थित एक शौचालय के पीछे कचरें के ढेर में मोबाइल और दो सिम कार्ड मिले। संभवत : किसी बंदी या कैदी ने उसे डाला होगा।

पिंजरे में कैद हुआ खूंखार पैंथर, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

अजमेर, (निसं)। भिनाय क्षेत्र में पिछले दो दिनों से दहशत का कारण बने पैंथर को वन विभाग ने मंगलवार देर रात सफल ऑपरेशन के तहत पिंजरे में कैद कर लिया। लगातार शिकार की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।

जानकारी के अनुसार, भिनाय कस्बे के रेण गेट के बाहर उदयगढ़ खेड़ा रोड स्थित लाल सिंह गोहिल के बाड़े में घुसकर पैंथर ने तीन बकरियों को मार डाला था। इसके बाद पूरे इलाके में भय का माहौल बन गया था। सूचना मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साईमाला पहाड़ के नीचे एनिकट के पास करीब 150 किलो वजनी ऑटोमेटिक लोहे का पिंजरा लगाया।

पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरे में एक जीवित बकरे के बच्चे को रखा गया। देर रात शिकार की तलाश में निकला पैंथर जैसे ही पिंजरे में घुसा, ऑटोमेटिक गेट बंद हो गया और वह कैद हो गया। सुबह यह खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इस ऑपरेशन का नेतृत्व वनपाल निर्मल शर्मा ने किया। टीम में वन रक्षक विमला चौधरी और सुरेश राव शामिल रहे। ग्रामीणों ने टीम की सक्रियता और तत्परता की सराहना की।

वन विभाग के अनुसार पकड़ा गया पैंथर करीब 3 वर्ष का है और उसकी लंबाई लगभग 9 फीट है। उसे पिंजरे सहित पिकअप वाहन से नसीराबाद स्थित क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय ले जाया गया, जहां मेडिकल जांच के बाद सुरक्षित जंगल में छोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू की गई।

- उदयगढ़ खेड़ा रोड स्थित लाल सिंह गोहिल के बाड़े में घुसकर पैंथर ने तीन बकरियों को मार डाला था।

साइबर अपराध से बचाव की जानकारी दी

नसीराबाद । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान के तहत तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के निर्देशन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के आदेशानुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोहरवाड़ा में बुधवार को एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यह संदेश देना रहा कि अब हर विद्यार्थी की पहुंच न्याय तक सीधे और आसानी से संभव है, और जरूरत पड़ने पर वे बिना डर, बिना शुल्क और बिना किसी परेशानी के कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

महिला ग्राम विकास अधिकारी 10 हजार 400 रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए झालावाड़ जिले की ग्राम पंचायत मऊ बोरदा पंचायत समिति खानपुर में कार्यरत महिला ग्राम विकास अधिकारी रजनी मीणा को 10 हजार 400 रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। गुप्ता ने बताया कि झालावाड़ चौकी की टीम ने बुधवार को यह ट्रैप कार्रवाई अंजाम दी। कार्रवाई को कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रेरणा शेखावत के नेतृत्व में किया गया। गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने 10 अप्रैल 2026 को शिकायत दी थी कि वह महूमहल खीची दरबार सेवा समिति की सदस्य है। संस्था द्वारा 16 फरवरी 2026 को धानोद खुर्द, पंचायत बोरदा मऊ (खानपुर में 26-27 जोड़ों का सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया था। जिसका पूरा खर्च संस्था व जन सहयोग से वहन किया गया। विवाह के बाद प्रमाण पत्र जारी कराने की प्रक्रिया के लिए जब परिवादी ग्राम विकास अधिकारी के पास गई तो आरोपी ने प्रति प्रमाण पत्र 500 रुपए की मांग की। बाद में सौदेबाजी के दौरान प्रति जोडा 400 रुपए तय किए गए और कुल 26 जोड़ों के प्रमाण पत्र के लिए 10 हजार 400 रुपए रिश्वत की मांग की गई। शिकायत मिलने पर एसीबी ने गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांग की पुष्टि हुई। इसके बाद 15 अप्रैल को जाल बिछाकर आरोपी को कार्यालय में परिवादी से 10 हजार 400 रुपए लेते पकड़ा। एसीबी अधिकारियों के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा उसके आवास की तलाशी भी जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से जिले में प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है।

- कार्रवाई को कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में अंजाम दिया

अपना घर आश्रम में 12 साल बाद मां-बेटी का भावुक मिलन

भरतपुर (निस)। अपना घर आश्रम, भरतपुर में बुधवार को एक बेहद भावुक और हृदयस्पर्शी दृश्य देखने को मिला, जबएक मां का अपनी बेटी और दामाद से करीब 12 वर्षों बाद मिलन हुआ। यह वह मां थीं, जिन्हें परिवार ने समय के साथ लगभग खो दिया था और मान लिया था कि अब वे इस दुनिया में नहीं रहीं। यह कहानी है पुनीता की, जो लगभग 12 वर्ष पूर्व मानसिक अवसाद के चलते घर से निकल गई थीं। उस समय उनकी दोनों बेटियां महज 7 और 8 वर्ष की थीं। परिवार ने उन्हें तलाशने के लिए हर संभव प्रयास किए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली।

समय बीतता गया, हालात बदले और इस दौरान परिवार के मुखिया का भी देहांत हो गया। बेटियों का पालन-पोषण चाचा-चाची ने किया और बाद में उनका विवाह भी कर दिया गया। 19 नवम्बर 2021 को पुनीता को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से रेस्क्यू कर अपना घर आश्रम, भरतपुर लाया गया, जहां उन्हें सेवा, उपचार और पुनर्वास की सुविधा दी गई। लगातार देखभाल और इलाज के बाद उनकी मानसिक स्थिति में सुधार हुआ। स्वस्थ होने पर उन्होंने अपना पता गांव महिसार, जिला दरभंगा (बिहार) बताया। आश्रम की पुनर्वास टीम ने तत्परता दिखाते हुए उनके परिवार से संपर्क स्थापित किया। सूचना मिलने पर उनकी बहन फूलो देवी, बेटी राधा, दामाद शिवम और नातिन आश्रम पहुंचे। वर्षों के लंबे अंतराल और समय के बदलाव के कारण शुरुआत में कोई एक-दूसरे को पहचान नहीं सका, लेकिन जैसे ही परिचय कराया गया, माहौल भावनाओं से भर उठा। बेटी की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े और मां-बेटी एक-दूसरे से लिपट गईं। पुनीता को इस बात का गहरा अफसोस है कि वे अपनी दोनों बेटियों का कन्यादान नहीं कर सकीं, लेकिन अब अपने पूरे परिवार से मिलकर वे बेहद खुश हैं। दोनों बेटियां अब अपने-अपने परिवार में खुशहाल जीवन जी रही हैं। यह मार्मिक मिलन इस बात का प्रतीक है कि परिवार का कोई विकल्प नहीं होता। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों और समय कितना भी बीत जाए, अपनों से पुनर्मिलन का सुख अनमोल होता है। आश्रम प्रशासन ने आवश्यक पहचान दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कर पुनीता को उनके परिजनों के साथ दरभंगा (बिहार) के लिए रवाना कर दिया।

अपना घर आश्रम, भरतपुर में एक मां का अपनी बेटी और दामाद से करीब 12 वर्षों बाद मिलन हुआ।

- यह मार्मिक मिलन इस बात का प्रतीक है कि परिवार का कोई विकल्प नहीं होता। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों और समय कितना भी बीत जाए, अपनों से पुनर्मिलन का सुख अनमोल होता है। आश्रम प्रशासन ने आवश्यक पहचान दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कर पुनीता को उनके परिजनों के साथ दरभंगा (बिहार) के लिए रवाना कर दिया।

पांच बदमाश पकड़े

उदयपुर,। शहर के सविना थाना पुलिस ने हाइवे पर लूट की योजना बनाने के मामले में पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चाकू,तलवार, मीचीं पाउडर लठठ बरामद किया। बदमाशों ने शहर में चेन स्नेचिंग की वारदात करना कबूल किया। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सविना थानाधिकारी गजवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने गश्त के दौरान मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर बिलीया में हाईवे के पास चार जवाब लड़के हाथ में तलवार व लठ्ठ लेकर बैठे है तथा कोई अपराधिक वारदात करने की फिराक में है। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर निर्माणाधीन दुकान में दबीश देकर हाइवे पर लूट की योजना बनाते नरेन्द्र ,मुकेश सूरजपोल हॉल अम्बामाता घाटी बोरीवाला गोदाम के सामने सविना, आकाश पुत्र हेमराज निवासी चुंगीाका कच्ची बस्ती हॉल बजीचा स्कूल के सामने गोवर्धन विलास,उमेश उर्फ गुड्डू पुत्र डूंगालाल निवासी गली नं. 7 रेती स्टेण्ड, मयंक उर्फ गोलु पुत्र कैलाशचन्द्र निवासी दो बटा नाले के पास लेक गार्डन चुंगीनाका गोवर्धन विलास को गिरफ्तार किया।

बिजयनगर में चोरों का आंतक

तेजाजी के मंदिर मे रखे दान पात्र को चोर ले गये ।

बिजयनगर, (निसं)। तेजा चौक स्थित तेजाजी की थान के बाहर रखे दान पत्र को निशाना बनाते हुए दान पात्र में रखी नगदी को चुरा कर ले गए। शहर में बढ़ रही चोरी की वारदातों के क्रम में विगत दिनों सब्जी मंडी स्थित बालाजी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों मेंअज्ञात चोरों नेचोरी की वारदात कोअंजाम दिया ।शहर के धार्मिक स्थलों को चोरों के द्वारा निशाना बनाया जा रहा है नागरिकों में भय का माहौल है ।शहर में अपराध बढ़ रहे हैं उन्हे रोकने में पुलिस नाकामयाब साबित हो रही है पुलिस थाना क्षेत्र मेंअपराधियों के हौसले बुलंद है वही नागरिकों में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ रही है ।शहर में आये दिन धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है।

प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने से चोरोके हौसले बुलंद हैं । तेजा चौक मंदिर कमेटी में चोरी की घटना को लेकर आक्रोश जताया।